25. अपठित बोध

ऐसे गद्यांश या पद्यांश जिन्हें बच्चों ने पहले कभी अपनी पाठ्य पुस्तकों में न पढ़ा हो, अपठित बोध कहलाते हैं। इस प्रकार के अभ्यासों द्वारा बच्चों की स्वयं पढ़कर समझने की क्षमता को जाँचा जाता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को अपठित बोध के उदाहरण पढ़वाएँ तथा उस पर आधारित प्रश्न-उत्तर भी पढ़वाएँ।
- ❖ बताएँ, अपठित बोध पाठ्यपुस्तकों से अलग अंश होते हैं। इनका उद्देश्य स्वयं समझने-परखने पर आधारित होता है।
- ❖ अपठित बोध के उत्तर देते समय गद्यांश को दो-तीन बार पढ़ना चाहिए।
- ❖ उत्तर अपनी भाषा में तथा सटीक देने का प्रयास करना चाहिए।
- ❖ बताएँ, गद्यांश में ही प्रश्नों के उत्तर होते हैं अतः गद्यांश का भाव भली-भाँति समझना चाहिए।
- ❖ विकल्पों वाले अंशों के उत्तर चुनते समय सबसे उपयुक्त विकल्प का चुनाव करना चाहिए।
- ❖ बच्चों से पूछें, उन्हें विषय समझ आ रहा है या नहीं।
- ❖ अभ्यास करवाएँ तथा जाँचें।